


---

# Shri Ramastotram by Hanuman

——  
ॐ नुमत्सुतं श्रीरामस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : rAmastotram by Hanuman 2

File name : rAmastotramhanumat2.itx

Category : raama

Location : doc\_raama

Description/comments : From Madhwa Stotra Sangraha

Latest update : February 27, 2022

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 27, 2022

*sanskritdocuments.org*



---

Shri Ramastotram by Hanuman

---

ॐ नमो भगवते श्रीरामस्तोत्रम्

---



को-वीश ते पादरसोभभाजं  
सुदुर्लभोऽर्थेषु यतुर्ध्वपीड ।  
तथाऽपि नाडं प्रवृणोमि भूमन्  
भवत्पदाभोजनिषेवणार्दते ॥ १ ॥

त्वमेव साक्षात्परमः स्वतन्त्र-  
स्त्वमेव साक्षादभिलोरुशक्तिः ।  
त्वमेव यागण्यगुणार्णवः सदा  
रमाविरिञ्चादिभिरण्यशेषैः ॥ २ ॥

समेत्य सर्वेऽपि सदा वदन्तो-  
ऽध्यनन्तकालाख्य न वै समाप्नुयुः ।  
गुणांस्त्वदीयान् परिपूर्णासौष्य-  
ज्ञानात्मकस्त्वं छि सदाऽतिशुद्धः ॥ ३ ॥


यस्ते कथासेवक एव सर्वदा सदा  
रतिस्त्वय्यल्लैकभक्तिः ।  
स ज्ञवमानो न परः कथञ्चित्  
तज्ज्ञवनं मेऽस्त्वधिकं समस्तात् ॥ ४ ॥


प्रवर्धतां भक्तिरत्वं क्षणे क्षणे  
त्वयीश मे द्वासाविवर्जिता सदा ।  
अनुग्रहस्ते मयि यैवमेव  
निरुपधौ तौ मम सर्वकामः ॥ ५ ॥

छतीरितस्तस्य ददौ स तद्द्वयं  
पदं विधातुः सकलैश्च शोभनम् ।  
समाश्लिष्यैनमथार्द्रया धिया  
यथोचितं सर्वजनानपूजयत् ॥ ६ ॥

॥ ॐतल शुरीॐनुडतुतं शुरीरलडसुतुरडुडु सडुडुडुडुडु ॥

---

——  
*Shri Ramastotram by Hanuman*  
pdf was typeset on February 27, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

